बुला के हमको बांके बिहारी छुप गए क्यों मुरारी

बुला के हमको बांके बिहारी छुप गए क्यों मुरारी ,
ये पर्दा क्यों किया है , ये पर्दा क्यों किया है ,
दिखा दो हमको सूरत प्यारी आये शरण तुम्हारी ,
ये पर्दा क्यों किया है , ये पर्दा क्यों किया है,

ओ रे संवरिया मेरे मैं तो रंगा हूँ तेरे रंग में ,
मुझसे मिला के नज़रे चल दो बिहारी मेरे संग में,
सेवा करूँगा मैं भी तुम्हारी बन के तेरा पुजारी ,
ये पर्दा क्यों किया है , ये पर्दा क्यों किया है ,

बुला के हमको बांके बिहारी छुप गए क्यों मुरारी ,
ये पर्दा क्यों किया है , ये पर्दा क्यों किया है ,

ओ रे संवरिया मेरे दिल में छुपे हैं कई राज रे,
कैसे बताऊ तुमको दिल की मुरारी सब बात रे ,
दिल में मेरे तुम रहते हो ओढ़ के कामल कारी ,
ये पर्दा क्यों किया है , ये पर्दा क्यों किया है ,

बुला के हमको बांके बिहारी छुप गए क्यों मुरारी ,
ये पर्दा क्यों किया है , ये पर्दा क्यों किया है ,

हँसने लगे हैं मुझपे दुनिया के सारे लोग रे,
कैसा लगाया तुमने मुझको मुरारी ये रोग रे ,
रोग ये दिल का तुमने लगाया सुना के बंशी प्यारी ,
ये पर्दा क्यों किया है , ये पर्दा क्यों किया है ,

बुला के हमको बांके बिहारी छुप गए क्यों मुरारी ,
ये पर्दा क्यों किया है , ये पर्दा क्यों किया है ,

Bhajan Lyrics - Jay Prakash Verma, Indore

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36632/title/bula-ke-hamko-banke-bihari-chhup-gaye-kyo-murari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |